UTTAR PR 30Rs.

तीस रुपया

३०रू. भारत INDIA 30Rs

THIRTY RUPEES

ॐ

मायाँ कि श्रीमती राम लली बेवा श्री शंकर भट्ट साकिन शिवपुर शहर वाराणसी हाल मुकीम लखनऊ की हूं।

चूंकि हम मुकिर की लड़की कुमारी लीला - शर्मा की शादी करनी बहुत जरूरी है जो रूपये के अभाव से अब तक अंजाम न दी जा सकी। रुपये मुहय्या होने व कुल इन्तकाल जायदाद मुफस्सला जैल १।४ हिस्सा के और कोई सूरत नजर नहीं आती इसलिए इसलिए उसके फरोख्त करने की बात चीत शुरू की और इसी सिलसिले मे जायदाद मुफस्सला जैल के १।४ हिस्सा के फरोख्तगी की बातचीत साथ श्री मदन मोहन शाह पुत्र श्री नरायन दास जी साकिन नरायन पार्क शिवपुर शहर वाराणसी से बकीमत मुबलिग - ७०० रूपया सात सौ रूपया निखर्चे तय व पोख्ता हो गई है जो कीमत ब लेहाज मौजूदा मालियत सही व मुनासिब मिल रही है इससे ज्यादा कोई दूसरा शख्स देने को तैयार नहीं है पस बैनामा हाजा ब कीमत मुबलिग - ७०० रूपया सात सौ रूपया कि जिसका आधा ३५० रूपया तीन सौ पचास रूपया होता है बहक श्री मदन मोहन शाह मजकूर तहरीर करके हस्ब जैल इकरार करते व पाबन्द शरायत जैल के होते हैं :-

नं० १५४

(३०) ता० ३०.६.६६ ई० बा: मदन मोहन शाह [illegible] वाराणसी

[illegible]

शुल्क रजिस्ट्री	शब्द लगभग	लिखाई	योग
15.00	8.00	2.25	17.25

श्री [illegible] पुत्र [illegible] निवासी मुहल्ला [illegible] परगना [illegible] शहर / जिला वाराणसी (उ. प्र.) ने कार्यालय सब रजिस्ट्रार वाराणसी में आज दिनांक [illegible] माह [illegible] सन ६६ ई० को समय [illegible] बजे के मध्य दिन में रजिस्ट्री के हेतु प्रस्तुत किया।

1.7.66

चीफ सब रजिस्ट्रार.

इस पत्र के लिखान व सम्पादन को स्वीकार करता है धनराशि / [illegible] जिसमें से [illegible] नकद मेरे सम्मुख प्राप्त कर उपरोक्त श्री [illegible] ने स्वीकार किया जिनकी शिनाख्त श्री [illegible] पुत्र श्री [illegible] निवासी मुहल्ला [illegible] परगना [illegible] शहर जिला वाराणसी ने तथा श्री [illegible] पुत्र श्री [illegible] निवासी [illegible] परगना [illegible] शहर जिला वाराणसी ने की।

1.7.66

चीफ सब रजिस्ट्रार.

उपरोक्त अंगुष्ठ चिन्ह उन व्यक्तियों के हैं जो ऊपर लिखे होते हैं नियमानुसार लिए गए हैं।

चीफ सब रजिस्ट्रार

UTTAR PRADESH 4 R$

INDIA

चार रुपया

FOUR RUPEES भारत FOUR RUPEES

१ - यह कि कुल जर सम्मन बैनामा हाजा मुबलिग - ७०० रुपया नकद रूबरू सब रजिस्ट्रार साहब वाराणसी वसूल पा लिया अब एक हिब्बा जिम्मा मुश्तरी मौसूफ बाकी नहीं है उजुर अब या आइन्दा बाबत अदम वसूली जर सम्मन व मुतालिबे वसीका हाजा झूठा व नाजायज होगा ।

२ - यह कि हिस्सा जायदाद मुबय्या के मालिक मुस्तकिल आज की तारीख से मुश्तरी मौसूफ हो गए और उसमे जो जो हक व हकूक हम मुकिर को हासिल थे या आइन्दा होते वह सब जुमला हक व हकूक आज की तारीख से वहक मुश्तरी मौसूफ मुन्तकिल हो गए और जायदाद मुबय्या पर कब्जा व दखल मालकाना आज की तारीख से बजाय अपने मुश्तरी मौसूफ का करा दिया मुश्तरी मौसूफ को चाहिए कि जायदाद मुबय्या पर वमिस्ल हम मुकिर मालकाना काबिज व दखील रह कर जुमला फेल मालकाना अमल में लावे और जो चाहे सो करे अब हम मुकिर से जायदाद

नं० १५५.

(४) ता० ३०.६.६६ ई० वा: मदनमोहन शाह सा: शिवपुर वाराणसी

द: शारदाप्रसाद स्टाम्पफरोश वाराणसी.

UTTAR PRADESH 4 Rs

INDIA

चार रुपया

FOUR RUPEES भारत FOUR RUPEES

जायदाद मुबय्या से कोई वास्ता व सरोकार किसी किस्म का बाकी नहीं रह गया और न आइन्दा होगा ।

३ - यह कि हिस्सा जायदाद मुबय्या तनहा मिल्कियत हम मुकिर की है इसमें कोई दूसरा शख्स शरीक व सहीम रवाह हिस्सेदार नहीं है और हर तरह के बार दैन व जमानतदारी व जिम्मेदारी से पाक व साफ व बेलहिश है और पाक व साफ बेलहिश बय की जाती है इन सभी बातो को हम मुकिर ने जाती इतमिनान मुश्तरी मौसूफ को दिलाया है और हमारे जाती इतमिनान दिलाने पर मामला बैनामा कराना मंजूर किया है अगर खिलाफ इसके कोई अम्र जहूर में आवे या बवजह फेल या तर्क फेल या अदमदस्तबरदारी हम मुकिर कब्जा व दखल

अ०१५६:

(४) ता० ३०.६.६६ ई० वा: मदन मोहन शाह सा: शिवपुर वाराणसी।

द: ज्वाला प्रसाद [illegible] वी० कालोनी.

सत्यमेव जयते

उत्तर प्रदेश

UTTAR PRADESH 4 R$

INDIA

चार रूपया

FOUR RUPEES भारत FOUR RUPEES

मुश्तरी मौसूफ में कोई खलल वाक्या हो ख्वाह किसी

वजह से जायदाद मुबय्या का कुल ख्वाह जुज कब्जा

व दखल मुश्तरी मौसूफ से निकल जावे या कोई बार अदा

करना पड़े तो बहर सूरत मुश्तरी मौसूफ मजाज इसके

होंगे कि अपना कुल रूपया या जुज रूपया और जो रूपया

अदा करना पड़े मय हामी व खर्चा तरकी हैसियत व हैसारा

मय सूद वशरह १ रूपया सैकड़ा माहवारी जात व जायदाद

ज०१५८

(४) ता० ३०.६.६६ ई० वा। मदनमोहन शाह सा: शिवपुरी काशी।

द: शारदा प्रसाद स्थम फ़ोटो वी० काशी।

उत्तर प्रदेश

UTTAR PRADESH 1R? 25nP

INDIA

एक रुपया पचीस नये पैसे

ONE RUPEE भारत TWENTY FIVE NAYE PAISE

हम मुकिर व नीज जायदाद मुवय्या से वसवील मुनासिब

वसूल कर लेवे ।

४ - यह कि जुमला शरायत वाला की पाबन्दी हम मुकिर

व वारिसान व कायम मुकामान हम मुकिर पर जरूरी व

व लाजिमी है व होगी जिसको हम मुकिर ने बखुशी व

रजामन्दी व दुरुस्ती होस हवास व सेहत जात सबात

नं० १५८.

(११) ता० ३०-६-६६ ई० बा० मदन मोहन शाह सा: शिवपुर वाराणसी।

द: शारदा प्रसाद स्याम कु(रा) व० वाराणसी.

बनारस जिला

उत्तर प्रदेश

UTTAR PRADESH 1R.25nP

INDIA

एक रुपया पचीस नये पैसे

ONE RUPEE भारत TWENTY FIVE NAYE PAISE

-६-

अक्ल बिला किसी जौर व दबाव के अपने नफा नुक्सान

को समझ कर और राय आजादाना हासिल करके वखूबी

पढ़ व पढ़वा कर सुन व समझ कर और इसके सभी बातों से

वाकिफ हो कर तहरीर किया है ।

इसलिए यह चन्द कलमा बतरीक बैनामा लाक्लामी

के तहरीर कर दिया कि वक्त पर काम आवे व सनद रहे ।

तफसील जायदाद मुबइया

आराजी भूमिधरी बाग नम्बरी वैल वाका मौजा भरलाई

न० १५८७.

(बा) ता० ३०-६-६६ ई० वा: मदन मोहन शाह सा: शिवपुर वाराणसी ।

द: शारदाप्रसाद स्टाम्प फरोश वी० वाराणसी·

सब रजिस्ट्रार बनारस जिला बनारस
उत्तर प्रदेश

UTTAR PRADESH 1R.

INDIA

एक रुपया एक रुपया

ONE RUPEE भारत ONE RUPEE

परगना शिवपुर जिला वाराणसी मय जुमला दरख्तान हर एक्साम वगैरह वगैरह बिला इस्तसनाय किसी जुज व कै के जिसमें १।४ हिस्सा बय किया ।

नम्बर	रकवा	लगानी
१०८।२ एक सौ आठ बटा दो	-८२ बयासी डिसमिल	
१०८।३ एक सौ आठ बटा तीन	-३६ छत्तिस डिसमिल	
१०८।४ एक सौ आठ बटा चार	-३८ अड़तीस डिसमिल	
११२।३ एक सौ तेइस बटा तीन	-७ सात डिसमिल	
४ चार	१ - ६३ एक एकड़ तिरसठ डिसमिल	१ -१४ एक रुपया चौदह पैसा मे जुमला हक व हिस्सा

अपना बकदर १।४ के बै किया ख्वारानी भूमिधरी बाग नम्बरी जैल वाका मौजा कादीपुर परगना शिवपुर जिला वाराणसी मय जुमला दरख्तान वगैरह वगैरह बिला इस्तसनाय किसी जुज व कै के बै किया गया ।

नम्बर	रकवा
२१ एक्कइस	-८३ तिरासी डिसमिल में १।४ एक बटा चार जुमला हक व हिस्सा अपना बकदर १।४ एक बटा चार के बै किया है ।

नोट - पृष्ठ १ के लाइन २ में शब्द की बाजाय सतर है तथा ठीक उसके नीचे वाला शब्द कटा है ।

तहरीर तारीख:- १ - ७ - ६६ ई०

Guru Prasad

टाइप कर्ता :- गुरु प्रसाद, कलक्टरी कचहरी, वाराणसी ।

राम टटी

नं० १६०.

१ ता० ३०-६-६६ ई० वा: मदन मोहन [illegible] शिवपुर [illegible]

[illegible]

नायब तहसीलदार (सिविल) वाराणसी 78

वाद संख्या 1105 / 2436

आदेश तिथि 16/10/2001

[illegible] ३४१/३४२

[illegible]

३ सितम्बर सन् १९६६ [illegible]

[illegible]

बनारस [illegible]

UTTAR PRADESH 150 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१५० रु. Rs 150

भारत

एक सौ पचास रुपया ONE HUNDRED & FIFTY RUPEES

मन कि जनक दुलारी बेवा श्री मुकुन्दलाल साकिना बाजार शिवपुर शहर शहर वाराणसी की हूँ .

हूँ आराजियात भूमिधरी ग्राम नम्बरी मैल वाका मवाजियात मलाई व कादीपुर परगना शिवपुर जिला वाराणसी मुन्दर्जा मैल में निस्फ हिस्सा इस मुकिर का है और आगू मज़कूर मैं श्री मदन मोहन शाह पुत्र श्री नारायणदास शाह साकिन नारायन पार्क शिवपुर शहर वाराणसी अदिदारी नीलाम व बैनामा काश्तकार हैं आराजियात मज़कूर व नीज़ दीगर आराजियात के बाबत एक मुकदमा इस मुकिरा ने बअदालत मुन्सफी शहर वाराणसी नम्बरी २१० सने १९६६ जनक दुलारी बनाम रानी मालती देवी वगैरह दाखिल किया था जो फैसले के लिये अडिशनल मुन्सफी दोयम वाराणसी के इजलास में मुंतकिल कर दिया था . और अदालत अडिशनल मुन्सफी दोयम वाराणसी के यहां से बता: २० १.६८ को एकतरफा फैसला हो गया जिसके खिलाफ इस मुकिरा ने अपील अदालत जजी वाराणसी में दाखिल किया जो अदालत अडिशनल सिविल जज दोयम वाराणसी मैं मुंतकिल हुई और बाद समाअत बता: २४ जुलाई सन १९७० मुकदमा रिमान्ड हो कर अदालत द्वितीय अतिरिक्त मुन्सफ वाराणसी में जेर तजवीज है बसिलसिला

सतोष कुमार स्टाम्प विक्रेता
कलक्ट्री कचहरी, वाराणसी।

वेनाम
3500

3600 1500 375 3975

श्री श्रीमती [illegible] पेशा गृहकार्य
हाल [illegible] 1वी 2 [illegible]
परगना [illegible] शहर / जिला वाराणसी (उ. प्र.)
ने कार्यालय सब रजिस्ट्रार वाराणसी में आज
दिनांक 10 माह 2, सन 1969 ई० को
समय 1 व 2 बजे के मध्य दिन में रजिस्ट्री हेतु
प्रस्तुत किया।

सब रजिस्ट्रार 10-2-69

इस पत्र के लेखन व सम्पादन की बाबत
धनराशि 2500 जो पाने हैं
जिसमें से 2500 अदा हो
सम्पादन कर्ता का हस्ताक्षर [illegible]

ने स्वीकार किया जिनकी पहिचान श्री [illegible]
पुत्र श्री [illegible] स्टाम्प वेंडर
निवासी [illegible]
[illegible]
पुत्र श्री [illegible]
निवासी [illegible]
परगना [illegible] शहर जिला वाराणसी ने की।

सब रजिस्ट्रार 10-2-69

उपरोक्त अंगूठा चिह्न साक्षियों के जो ऊपर अंकित होते हैं नियमानुसार लिए गए हैं।

सब रजिस्ट्रार
10-2-1969

UTTAR PRADESH 10 Rs.

दस रुपया

भारत
INDIA

१० रु. 10 Rs.

TEN RUPEES

मुकदमा मजकूर हम मुकिरा पर काफी बार हो गया है जिसके बाबत तकाजा सख्त हो रहा है अलावा बरीं मिनमुकिरा को अपनी लड़कियों की शादी व गौना करना बहुत जरूरी है जो सरमाया नगदी न होने की वजह से टलता जा रहा है. इन तमाम बातों पर गौर करके और अपने दामाद व दीगर रिश्तेदारान करीबी व दोस्तअहबाब से राय मशविरा बाजाब्ता करके मिनमुकिर मुनासिब समझता है कि अपना कुल हक व हिस्सा जायदाद मजकूर तसदर फरोख्त करके व रकम अखराजात बाला सुबुकदोषी हासिल कर लें. चुनान्चे: इस सिलसिला में श्री मदन मोहन राव मौसूफ से बातचीत हुई और वह बकीमत मुबलिग २५०० पचीस सौ रुपया निस्फी हिस्सा मुफस्सला जैल बरीं मिनमुकिरा का बैनामा कराने को आमादा है जो इस तौर पर बहुत ही मुनासिब और काफी कीमत जायदाद मजकूर की है इस से ज्यादा क्या इतना भी देने को कोई दूसरा शख्स तैयार नहीं है पस मिनमुकिरा बखुशी व रजामंदी बदुरुस्ती होश व हवास बसेहत जात व सबात अक्ल बिला जब्र व इकराह तमाम बातों पर बखूबी गौर करके और राय बाजाब्ता हासिल करके मिनमुकिरा बैनामा हाजा बाबत निस्फी हिस्सा कुल अंदर जायदाद मजकूर मुफस्सला जैल बकीमत मुबलिग २५०० पचीस सौ रुपया कि निस्फ जिसका मुबलिग १२५०.

३२५१

सतोष कुमार [illegible] विक्रेता
कलक्ट्री [illegible]

UTTAR PRADESH 2R50nP

INDIA

दो रुपये पचास नये पैसे

TWO RUPEES भारत FIFTY NAYE PAISE

बारह सौ पचास रुपया होता है अदद व बहक श्री मदन मोहन शाह पुत्र श्री नरायन दास जी साकिन नारायन पार्क शिवपुर शहर वाराणसी तहरीर व तकमील करके अपने व अपने वारिसान व कायम मुकामान को पाबन्द अदायत बैअ के करती है .

१. यह कि कुल जर समन बैनामा हाजा मुबलिग २५०० पचास सौ रुपया मिनमुकिरा ने मुस्तरी मौसूफ से नगद रूबरू सब रजिस्ट्रार साहब वाराणसी वसूल पा लिया . अब एक हिब्बा भी बजिम्मे मुस्तरी मौसूफ बाकी नहीं रहा तमामी उजरात निस्बत अदम वसूली जर समन कुल्या जुज पेश करदा मिनमुकिरा व वारिसान व कायम मुकामान मिनमुकिरा व मुकाबला वसीका हाजा बातिल व नाजायज व नामसमूअ होगा .

२. यह कि मिनमुकिरा ने जायदाद मुबैया से अपना कब्जा व दखल हटा कर बहक्ककाव जुद कब्जा व दखल वाकई मालिकाना मुस्तरी मौसूफ का आज की तारीख में करा दिया अब मिनमुकिरा को जायदाद मुबैया मजकूर से

पतोष कुमार [illegible] विक्रेता
[illegible]

कोई वास्ता व ताल्लुक किसी किस्म का बाकी नहीं रहा और न आइंदा होगा. मिनमुकिर को जायदाद मुबइया में जो कुछ भी हक व हकूक हासिल रहे या आइंदा होते वह सब आज की तारीख से बहक मुश्तरी मौसूफ मुंतकिल हो गये और मुंतकिल मुतसव्वर होंगे. मुश्तरी मौसूफ को हक हासिल है कि वह बजरिये मिनमुकिर जायदाद मुबइया पर मालिकाना काबिज व दखील रह कर मुश्तरी फेल मालिकाना अमल में लावे और जो चाहे सो करे अब मिन मुकिर से कोई वास्ता व ताल्लुक किसी किस्म का नहीं है और न आइंदा होगा मुश्तरी मौसूफ को यह भी हक है कि बरखारिज नाम हम मुकिर नाम अपना कागजात सरकारी में मुन्दरज करा लेवें. जिसके लिये जरूरी दरख्वास्त दस्तखत करके हम मुकिरान हवाले मुश्तरी मौसूफ कर दिया है और आइंदा भी इस सिलसिला में जो कुछ करने की जरूरत होगी उसको बिला किसी उज्र करेंगे.

3. यह कि निस्फी हिस्सा जायदाद मुबइया अज़ जानिब मिनमुकिर कहीं रेहन व बैय ख्वाह किसी शख्स पर मुंतकिल नहीं है और न उसमें मिनमुकिर कोई दूसरा शरीक व हकदार ख्वाह हिस्सेदार है और वह हर तरह के बार किफालत व बारदैन व जमानतदारी व जिम्मेदारी व सदमा कुर्की वगैरह से पाक व साफ व बेलौस है और पाक व साफ व बेलौस बैय की जाती है इस सब बातों का इतमिनान काफी तौर पर मिनमुकिर ने मुश्तरी मौसूफ को करा दिया है. और मिनमुकिर के इतमिनान दिलाने पर मुश्तरी मौसूफ ने मुकम्मिल बैनामा कराना मंजूर किया है अगर खिलाफ इसके कोई बात

जाहिर हो और बवजह फेल या तर्क फेल या अदम इस्तहकाकी के मिन मुकिरा बदावी दागी किसी सख्स के या किसी तौर से कब्जा व दखल मुस्तरी मौसूफ में कोई खलल व जवाल वाका हो या कुल ख्वाह जुज जायदाद मुबइया कब्जा व दखल मुस्तरी मौसूफ से निकल जावे या उनको कोई जर अदा करना पड़े तो बसूरत मुस्तरी मौसूफ को हक व अख्तियार हासिल है व रहेगा कि वह अपना कुल ख्वाह जुज जर समन मय उस रकम के जो उन्हें अदा करना पड़े या जायदाद मुबइया के तरक्की में उनको खर्चा करना पड़े मय कुल खर्चा व हिर्जा व सूद बशरह एक रुपया फीसदी माहवारी जात व जायदाद मनकूला व गैरमनकूला हम मुकिर व वारिसान व कायममुकामान् मिनमुकिरा से बजरिये मुनासिब वसूल कर लेवें .

४. यह कि मुबइया जायज बाला की पाबंदी मिनमुकिरा व वारिसान व कायम मुकामान मिनमुकिरा पर बराबरी व लाजिमी होगी जिसके मिनमुकिरा ने बखूबी सुन व समझ कर और उसके मजमून से वाकिफ हो कर अपने नफा व नुकसान से आगाह हो कर बखुशी व रजामंदी बहाल जात व सेहत अक्ल व दुरुस्ती होश व हवास बिला जब्र व इकराह तहरीर किया है .

५. यह कि यह चंद कलमा बतौर बैनामा लाकलामी के तहरीर कर दिया कि वक्त पर काम आवे व सनद रहे .

तफसील जायदाद मुबइया

१. किता बाग मुनिचपी वाका मौजा कादीपुर वली देवी परगना

शिवपुर जिला वाराणसी मौकूआ अमरा भूमिधरी बाग नम्बरी २१ एक्कीस रक्बा ८३ तिरासी डि: मे निस्फ हिस्सा मिनमुकिरा मय जमीन व जुमला दरख्तान जो रक्साम मौकूआ बाग मजकूर खिलाफ हस्तक्षेप किसी तुम व गैर के इसमें ५ पांच दरख्त आम बहुत पुराना सूखे हुऐ मालियती मुबलिग २५० दो सौ पचास रुपयों का है लेहाजा दरख्तान की कीमत आधा हिस्सा कि मुबलिग १२५ सवा सौ रुपया और जमीन की कीमत मुबलिग ४३० चारसौ तीस रुपया है यहां पर जमीन १००० एक हजार रुपया बीघा के हिस्सा से बिकी है .

२. निस्फ हिस्सा बाग मौकूआ जमीन भूमिधरी नम्बरी मैल मरका मौजा मलाई थही तैत्र परगना शिवपुर जिला वाराणसी मय जमीन व जुमला असियाय व दरख्तान जो रक्साम मौकूआ बाग मजकूर नम्बरी १०८,२ एकसौ आठ बटा दो .-८२ बयासी डि: १०८ एक सौ आठ बटा तीन -३५ छतीस डि: १०८,४.एक सौ आठ बटा चार -३८ अड़तिस डि: ११२,३ . एक सौ बारह बटा तीन -७ सात डि: व ११२,२ एक सौ बारह बटा दो -६ ४: डि: जुमला ५ पांच गाटा १ एक एकड़ ६६ औनहत्तर डि: लगानी एक रुपया तीस पैसा मे:१-३० पैसा: आधा हिस्सा मुख्या यानि साढ़े चौरासी डिसमिललगानी ६५ पैसठ पैसा जमीन इस मौजा मे एक हजार रुपया बीघा के हिसाब से बिकी है लेहाजा कीमत जमीन ८४५ आठ सौ पैतालिस रुपया और १० दस दरख्तान अमरा वाका है दरख्तान बहुत पुराने सूखे हुऐ है जिस की कीमत मुबलिग १००० एक हजार रुपया है आधा हिस्सा का ५०० पांच

सौ रुपया है याने कुल जमीन व दरख्तान की कीमत १६०० सोलह सौ

रुपया है .

नोट: वाजा हो कि बंद चार के सतर पांच में शब्द पर बनाये सतर

टाइप है व बंद छ के सतर सोलह में शब्द किस्सा बनाये सतर टाइपड
व बंद पांच के सतर एक में : की : शब्द कटा है .

तहरीर तारीख ६ फरवरी सन् १९७२ ई० .

टाइप कर्ता: Kanhaiya Lal Srivastava

सी २४/५३ कबीरचौरा वाराणसी

तहरीर तारीख ६ फरवरी सन् १९७२ ई० .

जनक दुलारी

बही नं. १ जि. द ८६४८ पृष्ठ ५५/६२ में नम्बर ११३१

पर आज दिनांक २४ जनवरी सन् ७८ ई० रजिस्ट्री की गई